नेशनल यूनिटी दिवस 1
अंग्रेजी नाटक वार्षिक फेस्टीवल 2015 1
डॉ0 भीमराव अम्बेडकर : 125 वां जयंती समारोह 2
गणतन्त्र दिवस 3
स्थापना दिवस 3
संकाय समाचार 4
एन. सी. सी. 6
आर0ई0आई0 इन्टरमीडिएट विद्यालय 6
डी. ई. आई. प्रेम विद्यालय गर्ल्स इण्टर कॉलेज 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

नवम्बर–दिसम्बर 2015–जनवरी 2016, अंक सात

नेशनल यूनिटी दिवस

सरदार बल्लभ भाई पटेल की जन्म शताब्दी पर 31 अक्टूबर 2015 को नेशनल यूनिटी दिवस नेशनल सोशल सर्विस राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा डी0ई0आई0 के सभी विभागों में मनाया गया। जिसमें राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भी भागीदारी विषय पर व्याख्यान तथा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई।

अंग्रेजी नाटक वार्षिक फेस्टीवल 2015

नाटक की सफलता का मापदण्ड उसकी रंगमंचीयता एवं अभिनेयता को माना जाता है वास्तव में अभिनय की कुशलता पर ही नाटक की सफलता निर्भर करती है, ऐसा ही नज़ारा था दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के दीक्षान्त सभागार का, जहाँ दिनांक 7 नवम्बर 2015 को सांय 4.45 बजे से अंग्रेजी नाटक वार्षिक फेस्टीवल 2015 का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ प्रार्थना से हुआ, जिसके अन्तर्गत, सुमित राहुल मेमोरियल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, सेण्ट जॉन्स कॉलेज, जी.डी. गोयन्का पब्लिक स्कूल, एवं समाज विज्ञान संकाय डी.ई.आई. के छात्र/छात्राओं ने अपनी–अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।

सफलता हमेशा ईमानदारी और कठिन परिश्रम से ही मिलती है। हमें भाग्य के भरोसे नहीं रहना चाहिये विलियम शेक्सपियर के नाटक मैकबेथ के माध्यम से बयां कर रहे थे राहुल सुमित मेमोरियल सीनियर सेकेण्डर स्कूल के छात्र/छात्रायें। प्रतिभागी थे वरून दरबारी, पलक जैसवाल, दीक्षा जेठनानी, हर्शिता सोढ़ी, समिधा वर्मा, शैलेश्वर सिंह, दिव्यांशु गोयल, संस्कृति कुलश्रेष्ठ, हर्षवर्धन, मृत्युन्जय वर्मा, आदित्य राना, सुरभि गुप्ता, प्रारब्ध चतुर्वेदी, अवन्तिका चौहान और दिव्या धींगरा।

कभी–कभी हम देखते हैं की जिस व्यक्ति को हम बहुत अच्छा समझते हैं वास्तव में वह वैसा है नहीं। इससे यही बात स्पष्ट होती है की क्या वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति के दो चेहरे होते हैं ? ऐसा ही बताने का प्रयास किया सेण्ट जॉन्स कॉलेज, के छात्र/छात्राओं ने अपने नाटक एलिस गरस्टेनबर्ग के माध्यम से। जिसके प्रतिभागी थे पोरशिया शर्मा, सुरभि शर्मा, अतीशा श्रीवास्तव और दामिनी भारद्वाज।

एक मध्यमवर्गीय परिवार को हमेशा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। परिवार का मुखिया अथक परिश्रम के बावजूद भी धनाभाव के कारण उनकी इच्छापूर्ति में अपने को असफल पाता है ऐसी स्थिति में वह क्या करें यही प्रश्न दर्शकों के लिये छोड़ जाता है जी.डी. गोयन्का पब्लिक स्कूल के

छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नाटक द बर्डन। प्रतिभागी थे संभव पाठक, गौरांश यादव, शुभांगी अग्रवाल, प्रियांशी सराफ, पर्व शर्मा, प्रनव वर्मा एवं आलमगिर सिंह।

एक खूबसूरत एवं स्मार्ट राजकुमार की कहानी ब्यूटी एंड द बीस्ट नाटक के माध्यम से प्रस्तुत की समाज विज्ञान संकाय डी.ई.आई. के छात्र/छात्राओं ने। प्रतिभागी थे भक्ति एवं सोहंग माथुर, अबीर तनेजा, सुमिर, शुभांक चतुर्वेदी, संदेश अग्रवाल, शिवांगी शर्मा, एस0 अनामिका, रीती कुमार, निवेदिता वशिष्ठ एवं ध्रुविका राजन।ड्रामा फेस्टिवल के दूसरे दिन पात्रों के कुशल अभिनय ने सभी को अभिभूत कर दिया। संदेशपरक सभी नाटकों की प्रस्तुति सराहनीय रही। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के.कालड़ा, कुलसचिव प्रो. आनन्द मोहन, प्रो. जे.के. वर्मा आदि उपस्थित थे।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर : 125 वां जयंती समारोह

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के 125 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजकीय कमेटी का गठन किया है, जिसका उद्देश्य भारतीय संविधान के प्रति बच्चों एवं युवाओं तथा जनता में जागरूकता विकसित करना है। इस उपलक्ष्य में दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के विशेष योगदान से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए।

ये सभी कार्यक्रम संस्थान के निदेशक महोदय प्रो0 पी0के0 कालड़ा के निर्देशन में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एल.एन. कोली द्वारा संचालित किये गये। संस्थान में आयोजित की गई शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ निम्न रहीं – दिनांक 2 नवम्बर 2015''डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का भारत के संविधान में योगदान'' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया। दिनांक 9 नवम्बर 2015, ''डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन, योगदान तथा भारतीय संविधान'' पर सम्भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें 85 बच्चों ने अपने भाषण के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किये। दिनांक 16 नवम्बर 2015, ''महान सन्त के जीवन तथा कार्यों'' पर सांस्कृतिक कार्यक्रम। जिसमें नाट्य तथा काव्य प्रतियोगितायें आयोजित की गईं, जिसमें 76 बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। जिसमें कला संकाय द्वारा आयोजित नाटक भीमगर्जना प्रथम स्थान पर रहा। दिनांक 21–22 नवम्बर 2015, ''डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन तथा योगदान'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा संस्थाओं के विषय विशेषज्ञों ने अपना व्याख्यान दिया। सेमिनार का उद्घाटन, समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 पी0के0 कालड़ा, संस्थान निदेशक उपस्थित थे और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सौजन्य कुमार, अतिरिक्त शहर मजिस्ट्रेट, आगरा उपस्थित थे। सेमिनार विषय के मुख्य वक्ता प्रो0 सुगम आनन्द पूर्व कुलपति बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा एवं प्रो.ए.पी.एस. चौहान जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं डॉ0 अरुणोदय बाजपेयी आदि थे। डॉ0एल0एन0 कोली ने सेमिनार की अध्यक्षता की। सेमिनार समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो0 आनन्द मोहन तथा सभापति प्रो0 पी0के0 कालड़ा थे। विशिष्टि अतिथि के रूप में स्नेह बिजलानी आमन्त्रित थी। इस सेमिनार में 85 शोधार्थी एवं छात्र/छात्राओं ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये। दिनांक 26 नवम्बर 2015, ''संविधान दिवस'' पर विशेष कार्यक्रम– जिसमें ''भारतीय संविधान'' पर विशेष व्याख्यान सत्र तथा पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 एल0एन0 कोली के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों में संस्थान के छात्र तथा छात्राओं ने कविता, निबन्ध तथा संवाद प्रतियोगिता एवं शोध पत्र के वाचन के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन दर्शन, समाज सुधार, देश के संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया।, विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर, 2015 संविधान दिवस के रूप में मनाया गया,

जिसके अन्तर्गत प्रत्येक संकायों में सुबह प्रार्थना के समय संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गयी तथा सायंकाल को अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार हाल में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ साथ एक विशेष व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महोदया श्रीमती उर्मिला कालड़ा थीं, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री माननीय जिला जज श्री राजीव लोचन मेहरोत्रा थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता, डॉ0 एल0एन कोली द्वारा की गई। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रो0 विभा निगम, प्रो0 पूर्णिमा जैन, प्रो0 प्रमोद कुमार, प्रो0 एस0के0 शर्मा, प्रो0 वी0के0 गंगल, प्रो0 स्वामी प्रकाश श्रीवास्तव, प्रो0 एस0पी0 कौशिक, प्रो0 मीरा शर्मा, डॉ0 कमलेश कुमारी रवि, डॉ0 अनिशा सतसंगी, डॉ0सूरज प्रकाश, डॉ0 सोना आहुजा, डॉ0 सोना दीक्षित, डॉ0 ज्योति गोगिया, डॉ0नमिता भाटिया तथा डॉ0 नेहा शिवहरे, डॉ0 कविता रायजादा का विशेष योगदान रहा।

गणतन्त्र दिवस

दयालबाग़ विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस पर ध्वजारोहण मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर जनरल श्री दुर्गा शरन मिश्र द्वारा किया गया। संस्थान के विभिन्न संकायों के छात्र/छात्राओं द्वारा परेड देखते ही बनती थी जिसमें टेक्नीकल के छात्र एवं अभियांत्रिकी संकाय की छात्राएं प्रथम स्थान पर रही।

इस अवसर पर दिव्यांग छात्राओं को पुरस्कृत किया गया जिसमें शिक्षा संकाय की ज्योति 50 मीटर रेस में प्रथम 100 मीटर रेस में तृतीय एवं डिस्क थ्रो में प्रथम स्थान पर रही थी। शिक्षा संकाय की कामिनी 100 मीटर रेस में प्रथम एवं डिस्कस थ्रो में तृतीय रही, सर्वेश कुमारी 50 मीटर रेस में तृतीय स्थान पर रही। 10 हजार मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर रहे समाजविज्ञान संकाय के फुरखान खान को भी पुरस्कृत किया गया। छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत 'हम करें राष्ट्र आराधन' प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर जनरल श्री दुर्गा शरन मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा की जिन मूल्यों के साथ हमारे पूर्वजों ने देश को आजाद कराया वह कहीं खो रहे हैं उनकी विरासत को संभालना ही युवा पीढी का दायित्व है तभी मुल्क को सुदृढ़ और मजबूत बना सकेंगें। कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण हुआ।

स्थापना दिवस

शिक्षा के 100 वर्ष मना रहे दयालबाग़ विश्वविद्यालय में दिनांक 31 जनवरी 2016 को डी0ई0आई0 के स्थापना दिवस पर विभिन्न संकायों में साज–सज्जा के साथ–साथ प्रातः 8 बजे से सांय 4.00 बजे तक भक्ति संगीत, समाज विज्ञान संकाय में सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें टैक्नीकल के छात्रों द्वारा भांगड़ा, विभिन्न संकायों द्वारा नुक्कड़ नाटक, समूह नृत्य, एकल नृत्य, समूह गान आदि प्रस्तुत किये गये।

छात्र/छात्राओं द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी के मिशन को दर्शाते मॉडल तैयार किये गये जिसे आम जनता ने देखा और संस्थान द्वारा उत्तरोत्तर प्रगति से संबंन्धित मॉडल्स को देखकर तो दर्शक हतप्रभ रह गये। समाज विज्ञान संकाय में आम जनता के लिये जरनल नॉलिज और रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। आकर्षण का केन्द्र रही भौतिकी विभाग की 5 जी मोबाइल लैब जो भारतवर्ष की प्रथम लैब है। स्मार्ट कार्ड लैब ने भी

लोगों को आकर्षित किया।

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के संस्थापक निदेशक परम गुरू हुजूर डॉ0 एम0बी0लाल साहब के जन्मदिवस पर संस्थान प्रत्येक वर्ष स्थापना दिवस मनाता है।

संस्थान निदेशक, प्रो0 पी0 के0 कालड़ा, ने स्थापना दिवस पर सभी शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं को शुभकामनायें दी और कहा की स्थापना दिवस तो हम प्रत्येक वर्ष मनाते ही हैं लेकिन इस वर्ष की खासियत यह है की दयालबाग़ शिक्षा के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है इसलिये उत्साह देखते ही बनता है। कुलसचिव प्रो0 आनन्द मोहन ने कहा की इस शुभ दिन सभी छात्र/छात्रायें शिक्षा क्षेत्र की प्रगति को मॉडल्स के माध्यम से दर्शा रहे हैं। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, प्रो0 पूर्णिमा जैन, प्रो. जे0के0वर्मा, श्री एस0के0 नैय्यर, समस्त संकायों के संकाय प्रमुख, विभागाध्यक्ष, शिक्षकवृन्द, अभिभावक वृन्द आदि उपस्थित थे।

संकाय समाचार

कला संकाय

दिनांक 12 जनवरी, 2016 को यू.जी.सी. द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद की 153 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में डी.ई.आई. के नैनोसेण्टर द्वारा कोलोकिया सत्र के अंतर्गत विशिष्ट विचाराभिव्यक्ति का सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में आमंत्रित अतिथि वक्ता के रूप में प्रोफेसर प्रभा शर्मा, संस्कृत विभाग, डी.ई.आई. ने –'भारतीय चेतनायाः प्रचारकः स्वामी विवेकानंदः' विषय पर स्वविचार प्रस्तुत किए।

डॉ. कमलेश कुमारी रवि कृत शोध आलेख दलित आत्म कथाओं में समाज का यथार्थ डॉ. ज़ाहिदा जबीन द्वारा सम्पादित पुस्तक 'साहित्य और चिन्तन दलित परिप्रेक्ष्य' आई.एस.बी.एन. 978–81–82485–68–1, में वाड्.मय बुक्स, दोदपुर रोड अलीगढ़ से प्रकाशित हुआ।

डॉ. सुमन शर्मा को आकाशवाणी मथुरा में उद्घोशक एवं सूत्रधार पुनर्स्वर परीक्षा समिति में सदस्य चुना गया है, तथा उनका आगरा की साहित्यिक संस्था साहित्य साधिका समिति की वार्शिक पत्रिका 'सुवर्णा 2015' में मानव और प्रकृति अन्तर्संबंधों पर आधारित सह संबंध शीर्षक से आलेख प्रकाशित हुआ।

डॉ0 अभिमन्यु एवं शोधछात्र भगत सिंह आर्य, ने दिनांक 13/02/2015 को स्वामी समर्पणानन्द वैदिक शोध संस्थान, मेरठ, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में क्रमशः 'वेदार्थ में स्वर की उपयोगिता' तथा 'वेद व्याख्या में प्रातिशाख्य की उपयोगिता' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ0 अनीता एवं डॉ0 इन्दु वंशी ने संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (दिनांक 2 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2015 तक) में भाग लिया।

डॉ0 निशीथ गौड़ की ''जयशंकर प्रसाद के साहित्य में नारी चित्रण' विषय पर आकाशवाणी आगरा से लघु वार्त्ता 17 दिसम्बर 2015 को प्रसारित हुई।

वाणिज्य संकाय

डॉ0 स्वामी प्रसाद सक्सेना की पुस्तक विषय ''मार्किटिंग ऑफ फाइनन्शियल सर्विस '' पर एक्सेल बुक प्रकाशन दिल्ली, आई.एस.बी.एन. न0 978–93–5062–6276 के द्वारा प्रकाशित हुई।

डॉ0 सनिल कुमार ने 16 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, मध्यप्रदेश में रिफ्रेशर कोर्स किया।

डॉ0 अनीशा सत्संगी ने 31 नवम्बर 2015 से 20 दिसम्बर 2015 तक गुरू घासी दास सेन्टल विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में रिफ्रेशर कोर्स किया।

समाज विज्ञान संकाय

डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं एवं हर्षिता अग्रवाल का 'नारी शक्ति' नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. 978.93.81247.95.2 श्रियांशी प्रकाशन आगरा 2015, में 'पंचायती राज व्यवस्था की महिला सशक्तीकरण

में भूमिका– एक समाजशास्त्रीय विश्लेशण' शीर्षक से अध्याय का प्रकाशन हुआ।

डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं का शोध पत्र 'पेरेन्टल प्रोपर्टी राइट्स ऑफ वूमेनः थ्योरी एण्ड प्रेक्टिस' श्रृंखला एक शोध प्रेरक वैचारिक पत्रिका कानपुर ईःआई.एस.एस.एन. नं. 2321.290 ईःआई.एस.एस. एन. नं. 2349.980 वोल्यूम थर्ड इश्यू वन 2015 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. लजबंत सिंह एवं चारूमित्रा आनंद का 'नारी शक्ति' नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. 978.93. 81247.95.2 श्रियांशी प्रकाशन आगरा 2015, में 'भारतीय परिप्रेक्ष्य में महिला आरक्षण' शीर्षक से अध्याय का प्रकाशन हुआ।

डॉ लजबंत सिंह का शोध पत्र मूवमेण्ट फॉर द चेंजिग सोसल स्टेटस ऑफ अनटचेबल्स इन इण्डियाः ए सोशियोलॉजीकल स्टडी आई.जे.एच. एस.एस.ई. अकादमिक रिसर्च सेंटर हैदराबाद ईःआई.एस.एस.एन. नं. 2349.0381 वॉल्यूम 2 इश्यू 1 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. लजबंत सिंह का शोध पत्र सोशियो इकोनोमिक एण्ड एजुकेशनल डवलपमेंण्ट अबाउट दलित वूमेनः ए स्टडी फ्रॉम वेस्टर्न उत्तर प्रदेश आई.जे.एच.एस.एस.ई. हैदराबाद ईःआई.एस.एस.एन. नं.–2349.0381 वॉल्यूम 2 इश्यू 5 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. बन्दना गौर एवं सावित्री का 'नारी शक्ति' नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. 978.93.81247.95.2 श्रियांशी प्रकाशन आगरा 2015, में 'की महिला सशक्तीकरण, शिक्षा एवं जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन' शीर्षक से अध्याय का प्रकाशन हुआ।

प्रो. पूर्णिमा जैन एवं सान्या का 'नारी शक्ति' नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. . 978.93.81247.95. 2 श्रियांशी प्रकाशन आगरा 2015, में 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिला सशक्तीकरण एक चुनौतीः एक' विश्लेशणात्मक दृष्टिकोण' शीर्षक से अध्याय का प्रकाशन हुआ।

प्रो. पूर्णिमा जैन एवं रीना का 'नारी शक्ति' नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. 978.93.81247.95.2 श्रियांशी प्रकाशन आगरा 2015, में 'भूमण्डलीकरण के दौर में पुरुषवादी मानसिकता के प्रति स्त्री के सशक्तीकरण का संघर्ष' शीर्षक से अध्याय का प्रकाशन हुआ।

प्रो. पूर्णिमा जैन एवं रचना यादव का 'नारी शक्ति' नामक पुस्तक आई.एस.बी.एन. 978.93. 81247.95.2 श्रियांशी प्रकाशन आगरा 2015, में 'वर्तमान वैश्वीकरण के युग में भारतीय समाज में महिलाओं की बदलती स्थिति' शीर्षक से अध्याय का प्रकाशन हुआ।

विज्ञान संकाय

रसायन विज्ञान विभाग ने एक दिन का सेमिनार यू.जी.सी.–सैप के माध्यम से 23 नवम्बर 2015 को आयोजित किया। सेमिनार का शीर्शक थाः रीसेंट ट्रेण्ड्स ऑफ ट्रेस गैसेज़ एण्ड एयरोसोल।

राजीव रंजन, वनस्पति विभाग ने 'इन्ट्रोडक्शन टू प्लाण्ट प्रमोटर' किताब को लेम्बर्ट एकेडेमिक पब्लिशिंग, जर्मनी में जनवरी 2016 को प्रकाशित किया। आई.एस.एस.एन.- 978-3-659-82081-6.

तथा राजीव रंजन एवं सोनम राथौड़ ने 'अबूटिलन इन्डीकम एन ओवरव्यू' को पेन्सिल पब्लिकेशन ऑफ मेडिकल तथा फार्मास्युटिकल साइंस में दिसम्बर 2015 को प्रकाशित किया। आई. एस.एस.एन.-2408-5537.,राजीव रंजन, वनस्पति विभाग 30–31 अक्टूबर 2015 को राष्ट्रीय सेमिनार वनस्पति एवं सूक्ष्म विभाग एच.एन.बी. गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मीडता-2015 में आमंत्रित व्याख्याता के रूप में व्याख्यान दिया, तथा अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया, 31 अक्टूबर को एक सत्र की अध्यक्षता भी की। ,राजीव रंजन, वनस्पति विभाग ने 6–8 नवम्बर 2015 को इंडियन एकडमी ऑफ साइंस, बैंगलुरू द्वारा आयोजित ''81st वार्शिक सभा'' में भाग लिया।

प्रोफेसर प्रेम कुमार दुतु, वनस्पति विभाग, डॉ. राजीव रंजन वनस्पति विभाग, डॉ. संदीप पॉल, भौतिकशास्त्र विभाग, डॉ. अमला चोपड़ा, जंतु विज्ञान ने विभिन्न तथ्यों पर अपना सार डी.बी.टी. संचालित कार्यशाला 20 जनवरी से 2 फरवरी तक

हिन्दुस्तान कॉलेज, मथुरा में प्रस्तुत किये।

ए.एम.आई. बैस्ट पोस्टर एवार्ड, श्रुति शर्मा एवं अलका प्रकाश जंतु विज्ञान, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित दिसम्बर 7 से 10 तक के सेमिनार में प्रदान किया गया। कुल 997 प्रस्तुति में केवल छः पुरस्कार प्रदान किये गये।

डॉ. विजय सिंह ठाकुर, कुलपति, डॉ. वाई.एस. परमार, हॉर्टिकल्चर व फॉरेस्ट्री, सोलन, हिमाचल प्रदेश ने वनस्पति विभाग का दौरा 4 एवं 5 जनवरी 2016 को रिसर्च कोलैबोरेशन हेतु किया।

टेक्निकल कॉलेज

डॉ0 नवीन देव, रविशंकर, अंगप्पा गुनाशेखरन और लक्ष्मण एस. ठाकुर (2016) का 'ए हाईब्रिड एडॉप्टिव डिसीज़न सिस्टम फॉर सप्लाय चेन कॉन्फिगरेशन' पर शोधपत्र अन्तर्राष्ट्रीय उत्पादन शोध पत्रिका (टेलर और फ़ान्सिस) में प्रकाशित हुआ। (डी.ओ.आई.: 10.1080100207543.2015.1134842)

एन. सी. सी.

कैडेट्स राहुल त्यागी प्रथम वर्ष मैकेनिकल और राहुल सिंह प्रथम वर्ष सिविल इंजीनियरिंग थल सेना कैम्प 2016 और गणतंत्र दिवस परेड 2017 के लिये नामित हुये।

आर0ई0आई0 इन्टरमीडिएट विद्यालय

दिनांक 03.11.2015 को विद्यालय के 144 छात्रों ने हिन्दुस्तान ओलंपियाड में भाग लिया।

दिनांक 05.11.2015 को एस.ओ.एफ. साइंस ओलंपियाड तथा दिनांक 10.12.2015 को एस.ओ. एफ. मैथ्स ओलंपियाड में विद्यालय के क्रमशः 164 तथा 102 छात्रों ने भाग लिया। जिसमें प्रत्येक कक्षा के छात्रों ने गोल्ड, सिल्वर तथा ब्रोन्ज मेडल जीते। छात्र आर्य भसीन कक्षा–8 ने साइंस एवं मैथ्स ओलंपियाड के लेवल–2 में प्रवेश किया तथा कक्षा–11 के छात्र आदर्श प्रसाद ने मैथ्स ओलंपियाड के लेवल–2 में प्रवेश किया।

डी.ई.आई. द्वारा आयोजित इंग्लिश ड्रामा/ वर्कशॉप फेस्टिवल, 2015 में विद्यालय के 6 छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दिनांक 13.12.2015 को डी.ई.आई. में स्फीहा द्वारा आयोजित ड्राइंग एण्ड पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय के 50 छात्रों ने भाग लिया।

आर.ई.आई. की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों की शुरूआत दिनांक 19.12.2015 को लोगो मेकिंग प्रतियोगिता के साथ हुई जिसमें विद्यालय के 70 छात्रों ने भाग लिया तथा सामान्य जन द्वारा छात्र अवनीश दिवाकर कक्षा–12 (कॉमर्स) के लोगो को प्रथम स्थान के लिये चुना गया।

इसी कड़ी में दिनांक 24.12.2015 से 31.12. 2015 तक डी.ई.आई. द्वारा आयोजित विंटर ट्रेनिंग कैम्प में विद्यालय के 350 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डी.ई.आई. द्वारा आयोजित इंट्रैक्टिव प्रोग्राम ऑन ब्रेन एण्ड कंसीशियस में 26.12.2015 को विद्यालय के 6 छात्रों ने भाग लिया जिसमें छात्रों की प्रतिभा की सराहना परम पूज्य हुजूर साहब द्वारा भी की गयी।

दिनांक 01.01.2016 से 03.01.2016 तक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

जिसमें कक्षा–6 से 12 तक के छात्रों ने विभिन्न विषयों जैसे भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, रोबोटिक्स व इलैक्ट्रोनिक्स से संबंधित कुल 120 मॉडलों का प्रदर्शन किया। कुछ महत्वपूर्ण मॉडलों में हाईड्रोलिक ब्रिज, फ्यूचर हाईवे, विन्ड कार, मल्टीपल इनर्जी कन्वर्जेशन, मल्टी फंक्शन साईकिल, वाइब्रोमोटर, ड्रोन, इलैक्ट्रिक कैन्डल, रिमोट कन्ट्रोल हाउस, गुलाब जल का निर्माण, मैजिक फाउन्टेन, रेडियो आर.ई.आई. 101.6, आई.ओ.टी. आधारित स्मार्ट होम, औटोमेशन सिस्टम, सीक्रेट ऑफ पिरामिड, जल की शुद्धता का मापन, यमुना प्रदूशण की रोकथाम आदि सम्मिलित थे।

दिनांक 01.01.2016 को ही विद्यालय के शिक्षण के गौरवमय इतिहास को प्रभावपूर्ण ढंग से प्रदर्शनी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दिनांक 02.01.2016 को विद्यालय में प्रातः 11:00 बजे कॉलेज प्रांगण में एक ड्राइंग एण्ड पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा–12 'अ' के अनहद सत्संगी ने प्रथम स्थान, कक्षा–11 'अ' के छात्र स्वप्निल राजपूत को द्वितीय तथा कक्षा–11 'सी' के छात्र अभिषेक शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

दिनांक 02.01.2016 को विद्यालय के क्रीड़ा प्रांगण में 02:30 बजे से खेल दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के विभिन्न वर्गों के छात्रों ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दिनांक 03.01.2016 को विद्यालय के छात्रों ने एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

दिनांक 10.01.2016 को सद्भावना शिक्षा केन्द्र, ईकाई आगरा द्वारा 'विश्व शान्ति हेतु नागरिक दायित्व (सिविक रेसपॉन्सिबिलिटी फोर वर्ल्ड पीस) टॉपिक पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के 22 छात्रों ने निबन्ध प्रस्तुत किये। छात्र अनुज गुप्ता कक्षा–12 (वाणिज्य) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 13.01.2016 को डी.ई.आई. के लोहड़ी उत्सव में विद्यालय के 18 छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

दिनांक 28.01.2016 को विद्यालय में प्रातः 11:00 बजे एस.ओ.एफ. इंग्लिश ओलंपियाड में विद्यालय के 60 छात्रों ने भाग लिया।

दिनांक 31.01.2016 को श्री रामचन्द्र मिशन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इसे राइटिंग इवेंट–2015 में विद्यालय के चार छात्रों– प्रतीक रंजन, दीक्षान्त सागर, आकाश बरनवाल तथा मोहक सेतिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पुरस्कार जीते।

दिनांक 31.01.2016 को ओपेन डे में विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ जिसमें 45 छात्रों ने विभिन्न मॉडल प्रदर्शित किये। विद्यालय के 15 छात्रों ने डी.ई.आई. के समाज विज्ञान संकाय के हॉल में 45 मिनट का सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये तथा 2 छात्रों ने रंगोली तथा 2 छात्रों ने पोस्टर एवं 2 छात्रों ने स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

शिक्षा के उच्चतम आदर्शों के नवीन प्रतिमानों को स्पर्श करता डी0ई0आई0,आर0ई0आई0 इन्टरमीडिएट कॉलेज, दयालबाग़ में दिनांक 1 जनवरी से 3 जनवरी 2016 तक विज्ञान एवं शिक्षा के इतिहास की प्रदर्शनी के साथ–साथ खेल–कूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें 100 मीटर से लेकर 1500 मीटर की रेसेज रखी गयी जिसमें बच्चों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया साथ ही रस्साकसी भी रखी गयी। जिसमें बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था क्योंकि इस प्रतियोगिता में बच्चों के साथ–साथ उनके शिक्षकों ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर दयालबाग़ शिक्षा संस्थान में सजावट भी की गयी। यह आयोजन शिक्षा के 100 वर्श पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में दिनांक 3 जनवरी 2016 को बजे टेक्नीकल कॉलेज में सांय 4.00 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर संस्थान निदेशक, प्रो0 पी0 के0 कालड़ा, कोषाध्यक्ष, श्रीमती स्नेह बिजलानी, आर0ई0आई0 प्रिंसीपल डॉ0 आर0बी0 दीक्षित, प्रो0 जे0के0वर्मा, श्री एस0के0 नैय्यर, कार्यक्रम आयोजक, शिक्षकवृन्द भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0निशीथ गौड़ एवं श्री बल ने किया।

डी. ई. आई. प्रेम विद्यालय गर्ल्स इण्टर कॉलेज

11 नवम्बर 2015 – स्टूडेन्ट सिस्टम कॉन्फेंस : परितन्त्र विषय वैल्यू बेस्ड एजुकेशन पर अमी चोपड़ा 10वीं –बी को बेस्ट पोस्टर अवार्ड मिला।

18 नवम्बर 2015 से 27 नवम्बर 2015 तक – लेफ्टिनेन्ट सुरतप्यारी प्रशिक्षिका के नेतृत्व में 46 छात्राओं ने एन.सी.सी. प्रशिक्षण सिद्धि विनायक डिग्री कॉलेज में प्राप्त किया। जिसमें छात्राओं ने समूह गान में प्रथम, एकल नृत्य में प्रथम एवं वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्तरा प्रकाश को कार्यक्रम के कुशल संचालन के लिए मास्टर ऑफ सेरेमनी से पुरस्कृत किया गया।

13 दिसम्बर 2015 को डी. ई. आई. परिसर में स्फीहा द्वारा कला, हिन्दी एवं अंग्रेजी निबन्ध लेखन प्रतियोगितायें आयोजित की गई जिसमें– हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता–वरिष्ठ वर्ग में महिमा सत्संगी 12वीं–ए –तृतीय, कनिष्ठ वर्ग में अमोला सत्संगी 9वीं –ए–प्रथम, कनिष्ठ वर्ग में महिमा सत्संगी 10वीं –ए–द्वितीय, अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता–वरिष्ठ वर्ग में शुभांगी श्रीवास्तव 12वीं –बी–प्रथम, वरिष्ठ वर्ग में कृति लेखा 12वीं –ए–द्वितीय, कनिष्ठ वर्ग में अमी चोपड़ा 10वीं –बी–प्रथम। चित्रकला प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में आरती सिंह 12वीं –बी–तृतीय, कनिष्ठ वर्ग में वर्षा कुशवाह वीं –ए–प्रथम, कनिष्ठ वर्ग में चित्रांशी सारस्वत 10वीं –बी–द्वितीय।

18 दिसम्बर 2015 को विद्यालय का वार्षिकोत्सव पूज्य हुजूर प्रो. पी. एस. सत्संगी साहब जी की भव्य उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं निदेशक महोदय ने पुरस्कार वितरण कर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

24 दिसम्बर 2015 से 30 दिसम्बर 2015 तक – डी. ई. आई. परिसर में शीतकालीन शिविर आयोजित किया गया जिसमें छात्राओं ने अपनी अभिरूचि अनुसार गतिविधि का चयन कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें वास्केट बॉल, वॉलीबॉल, लोक नृत्य, लोक गीत, आत्मरक्षा, व्यक्तित्व विकास मेंहदी, विज्ञान, गणित से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की गई।

दिसम्बर माह में विद्यालय में विज्ञान, गणित कम्प्यूटर आधारित ओलम्पियाड प्रतियोगितायें आयोजित करायी गई जिसमें–, वरिष्ठ वर्ग में अंजली शर्मा 12वीं–सी - स्वर्ण पदक, वरिष्ठ वर्ग में मानसी शर्मा 12वीं–सी - रजत पदक, वरिष्ठ वर्ग में सृष्टिका सिंह 12वीं–सी - कांस्य पदक, वरिष्ठ वर्ग में काजल सिंह ग्यारहवीं–बी - कांस्य पदक, वरिष्ठ वर्ग में भावना मंगल ग्यारहवीं–बी - रजत पदक, कनिष्ठ वर्ग में गुरू प्रसन्ना- स्वर्ण पदक, कनिष्ठ वर्ग में वी. प्रीति ने- स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

श्रद्धांजलि– डॉ. श्रीमती संतोश कुमारी श्रीवास्तव पूर्व रीडर अंग्रेजी विभाग डी.ई.आई. का देहावसान 3 जनवरी 2016 को हो गया।वर्तमान में वह डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय में सेवारत थीं। संस्थान में उनकी कर्मठता को और समर्पण भावना को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
सम्पादक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
उपसम्पादक	:	डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा डॉ. नमस्या डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. निशीथ गौड़ श्री अमित जौहरी
समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी डॉ. राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ डॉ. क्षमा पाण्डेय श्री मयंक कुमार अग्रवाल